सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया

नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माण पुस्तिका श्रृंखला
संख्या - १०

Centre for Constitutional Dialogue
संवैधानिक संवाद केन्द्र

मैथिली

नेपालमा सहभागितामूलक संविधान निर्माण सहयोग परियोजना- युएनडीपी

प्रकाशक

संवैधानिक संवाद केन्द्र

प्रथम संस्करणः २०६५ साल

प्रतिलिपि अधिकार © संवैधानिक संवाद केन्द्रमे सर्वाधिकार सुरक्षित अछि । सामग्रीक स्रोतक रुपमे संवैधानिक संवाद केन्द्रक नामे साभार व्यक्त क' गैरव्यावसायिक प्रयोजनक लेल ई पुस्तकक अंशसभ पुनःप्रकाशन आ/अनुवाद कएल जा सकैत अछि। पुनःप्रकाशन आ/अनुवादक एकप्रति संवैधानिक संवाद केन्द्रकँ उपलब्ध कराओल जाएत ।

साजसज्जा आ मुद्रण

प्रिन्ट प्वाइन्ट पब्लिसिङ्ग, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डू ।

विशेष जानकारी अथवा ई पुस्तकक प्राप्तिक लेल निम्नलिखित स्थानपर सम्पर्क राखब :

संवैधानिक संवाद केन्द्र

तेसर आ चारिन तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, बुद्धनगर, काठमाण्डू

टेलिफोन नं.: ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८

ई –मेलः **info@ccd.org.np**

वेब साइटः **www.ccd.org.np**

सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया

पुस्तिका शृंखला १०

सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया १

संविधानसभा कि अछि ? १

सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया कि अछि ? २

संविधानसभाद्वारा संविधानक मसौदा तैयार करबाक कार्यविधिसभ कि-कि अछि ? २

संविधान निर्माणमे जनताक दृष्टिकोण कोना पहुँचाओल जा सकैत अछि ? ४

संविधानको अन्तिम रूप कोना देल जाइत अछि ? ५

संविधानक मसौदा तैयार करबाक प्रक्रियामे जनसहभागिताको अभिवृद्धि करबा लेल कोन-कोन विधिसभ प्रयोग कएल जा सकैत अछि ? ५

नागरिकसभक योगदानकेँ संविधानसभा कोना बुझैत ? ६

नेपालमे संविधान निर्माणक इतिहास केहन अछि ? ६

संविधान निर्माण प्रक्रियासा सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण नीतिसभ कि-कि अछि ? ८

सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया

सहभागितामूलक संविधान निर्माणक प्रक्रियामे नागरिकसभ एक भ'क' देशक महत्त्वपूर्ण मुद्दा सभकेँ सम्बोधन कर'बला संविधान निर्माणमे जुटल रहबाक विश्वास कएल जाइत अछि। एहन अभ्यास सफल भेलाक स्थितिमे संविधानक लेल जनताबीच अपनत्वक भाव जगैत अछि, आ ई जनताक बीच एकताकेँ अभिवृद्धि क' सरकार आ जनताक बीचक सम्बन्धकेँ सबल बनबैत अछि।

संविधानसभा एकटा एहन निर्वाचित निकाय अछि जकरा नव संविधानमे जनसमर्थन सुनिश्चित करबाक लेल प्रयोग कएल जाइत अछि। नेपाल नव संविधान निर्माण करबाक क्रममे संविधानसभाक गठन केने अछि। संविधान निर्माण प्रक्रियासम्बन्धी एकटा काज, संविधान निर्माणक प्रक्रियाक सम्बन्धमे जनताकेँ जानकारी कराक' एहि प्रक्रियामे ओकरासभकेँ सहभागी करेबाक लेल, जनसहभागितामूलक कार्यक्रमसभ संचालन करब अछि।

संविधान निर्माण प्रक्रियाकेँ समावेशी बनेबाक लेल, संविधानसभाकेँ निम्न मुद्दासभकेँ पृथक-पृथक रूपसँ देखल जाएब आवश्यक अछि-

१. संविधानसभा कि अछि ?
२. सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया केहन प्रक्रिया अछि ?
३. संविधानसभामे संविधानक मसौदा तैयारी करबाक कार्यविधिसभ कि कि अछि ?
४. संविधानमे जनभावना कोना प्रतिविम्बित कएल जा सकैत अछि ?
५. संविधानकेँ कोना अन्तिम रूप देल जाइत अछि ?
६. संविधानसभाद्वारा निर्मित संविधान जनाताक संविधान अछि, से बात कोना बुझल जाएत ?
७. संविधान निर्माणमे जनसहभागिता बृद्धिक लेल केहनकेहन उपायसभक प्रयोग कएल जा सकैए ?
८. संविधान निर्माणसम्बन्धी नेपालक इतिहास केहन अछि ?
९. संविधान निर्माण प्रक्रियामे कोन तिथिसभ महत्त्वपूर्ण अछि ?

१. संविधानसभा कि अछि ?

संविधानक लेल जनताक अपनत्व सुनिश्चित क' जनता आ राज्यक बीच सबल सम्बन्ध स्थापना करबाक लेल संविधानसभाकेँ प्रयोग कएल जाइत अछि। संविधानसभा समावेशी होइत अछि किएक त' ई देशमे विद्यमान संक्रमणकालक व्यवस्थापन आ संविधान निर्माणक काज करबालेल गठित एक प्रतिनिधिमूलक निकाय अछि। संविधानसभाक काजसभमे कानुन संशोधन करब, राज्य सञ्चालन करब तथा नेता नियुक्ति कर'बला काज सेहो पड़ैत अछि। नेपालमे संबिधानसभाक काज इएहअनुरूप अछि, किएक त' एत' ई नव संविधानक निर्माणक लेल आ व्यवस्थापकीय निकायक रूपमे काज करबाक जिम्मेवारी पओने अछि।

२०६४ चैत्र २८ गते संबिधानसभाक सदस्यसभ (सभासद)केँ निर्वाचित केलाक बाद नेपालक जनतामे संविधान निर्माण प्रक्रियामे अपनत्वक भावनाकेँ सिर्जना भेल अछि। संविधानसभामे ६०१ सदस्य अछि।

सदस्यसभक पृष्ठभूमिकें आधारपर महिला, जनजाति, आदिवासी आ धार्मिक समुदायसभ, दलित तथा पिछड़ल क्षेत्रक प्रतिनिधिसहित ई निकाय निश्चित रूपसँ समावेशी अछि।

२. सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया कि अछि ?

संविधान देशक मूल कानुन अछि। देशक कानुनसभ एहिपर आधारित होइत अछि। ई सरकारक संरचना, काज, कार्यविधि, अधिकार आ जिम्मेवारी स्थापित करैत अछि। संविधान नागरिकक अधिकारकेँ सेहो पहिचान करैत अछि।

सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया नागरिकसभमे संविधानक लेल अपनत्वक भावना विकसित करबाक संगहि राष्ट्रनिर्माणमे सहभागी हेबाक जिम्मेबारीक बोध सेहो करबैत अछि। ई प्रक्रिया जनताकेँ संविधानक भूमिकाक लेल सजग कराक' कखनोकाल चुनल जाएबला कठिन विकल्पक सम्बन्धमे सेहो अबगत करबैत अछि।

संविधान निर्माण प्रक्रियामे सब नेपालीक सहभागिता रहए ताहि उद्देश्यअनुरूप संविधानसभाद्वारा प्रक्रियाकेँ खुला राखल गेल अछि। सन् २००८ क नोभेम्बर महिनामे संविधानसभा कार्यविधि नियमावली, २०६५ तैयार कएल गेल, जे संविधानसभाक मसौदा तैयार कर'बला समितिसभक गठन, संविधानसभाक व्यवस्थापकीय भूमिकाक व्याख्या करब तथा संविधान निर्माणक तिथि निश्चित करबाक काज केलक। सन् २००९क मार्च महिनामे संविधानसभा सदस्यसभ महत्त्वपूर्ण मुद्दाक सम्बन्धमे नेपाली नागरिकक दृष्टिकोण बुझबाक लेल देशभरिक निर्वाचन क्षेत्रसभक भ्रमण केलन्हि। सभासद्सभ जनसामान्यसँ प्रश्नावली भरेबाक अतिरिक्त ओकरासभक सँग संवैधानिक मुद्दासभक सम्बन्धमे अनौपचारिक विचारविमर्श सेहो केलन्हि। जनताक संग भेल एहन परामर्शसभसँ प्राप्त तथा जनताद्वारा पठाओलगेल सुझावकेँ सेहो संविधानसभा संबिधानक मसौदामे समावेश करत। एहि प्रकारसँ तैयार कएलगेल प्रारम्भिक मसौदाक सम्बन्धमे सुझाव संकलन करबालेल देशभरि वितरण कएल जाएत। अन्तमे, नव संविधान अबलम्बन कएल जाए अथवा नहि ताहि बातक निर्धारणक लेल जनताक प्रतिनिधिक हैसियतसँ सभासद्सभद्वारा ओहिउपर मतदान कएल जाएत।

(संबिधानक कार्यतालिकाक लेल http://www.ccd.orgnp/pdf/NEWCAtimelineen.PDF देखू)

३. संविधानसभाद्वारा संविधानक मसौदा तैयार करबाक कार्यविधिसभ कि-कि अछि ?

संविधानसभा नियमावली संविधानसभाकेँ संविधानक मसौदा तैयार करबाक तथा विधायिकी निकायक रूपसँ काज करबाक दुनू कार्यादेश प्रदान केने अछि। नियमावली सहभागितामूलक

संविधान मसौदा तैयार करबाक लेल एकटा संवैधानिक समिति, आ व्यक्तिगत अधिकार, संघीयता, स्वतन्त्र न्यापालिकासन महत्त्वपूर्ण मुद्दासभकेँ सम्बोधन करबाक लेल १० विषयगत समितिसभ तथा ३ प्रक्रियागत समितिसभ गठन करबाक प्रावधानक व्यवस्था केने अछि । संवैधानिक समितिमे ६१ गोटे सदस्यसभ छथि। विषयगत आ कार्यविधि समितिसभमे प्रत्येकमे ४३ सदस्यसभक उपस्थिति अछि । संविधानसभामे प्रतिनिधित्व भेल राजनीतिक दलसभक आधारपर समितिक सदस्यसभक चयन कएल गेल अछि । एहि क्रममे अल्पसंख्यक समूहसभ, महिला, आदिवाशी जनजाति, मुशलमान, आ पाछां पड़ल क्षेत्रक प्रतिनिधित्वकेँ ध्यानदेल गेल अछि।

संविधान लेखनक जिम्मेवारी संवैधानिक समितिकेँ देल गेल अछि । विषयगत समितिसभमे नहि पड़ल कोनो तरहक महत्त्वपूर्ण मुद्दा संवैधानिक समितिक जिम्मेबारीअन्तर्गत पड़ैत अछि । उदाहरणक लेल, संविधानक प्रस्तावना, संकटकालीन अधिकार, आ संशोधनसम्बन्धी भाग संवैधानिक समिति लिखत ।

संविधानक किछु भागक प्रारम्भिक मसौदा तैयार करबाक जिम्मेवारी बिषयगत समितिसभक अन्तर्गत पडैत अछि। संवैधानिक समिति ई भागसभकेँ संग्रहित क' पूर्ण पाठ बनाओत। विषयगत समितिसभ एहि प्रकारसँ अछि :

१. मौलिक अधिकार तथा निर्देशक सिद्धान्त समिति ।
२. अल्पसंख्यक तथा सीमान्तीकृत समुदायक अधिकार संरक्षण समिति ।
३. राज्यक पुनर्संरचना आ राज्यशक्तिक बाँट-फाँट समिति ।
४. व्यवस्थापकीय अंगक स्वरूप निर्धारण समिति ।
५. राज्यक शासकीय स्वरूप निर्धारण समिति ।
६. न्याय प्रणाली समिति ।
७. संवैधानिक निकायक संरचना निर्धारण समिति ।
८. प्राकृतिक स्रोत, आर्थिक अधिकार तथा राजस्व बाँट-फाँट समिति ।
९. सांस्कृतिक आ सामाजिक ऐक्यबद्धताक आधार निर्धारण समिति ।
१०. राष्ट्रिय हित संरक्षण समिति ।

बिषयगत समितिसभ अपनअन्तर्गत पड़ल बिषयवस्तुक सम्बन्धमे अवधारणापत्रसहित प्रारम्भिक मसौदा प्रतिवेदन संविधानसभासमक्ष प्रस्तुत करत । संबिधानसभाक सुझाव तथा निर्देशन संवैधानिक समितिमे पठाओल जाएत। एहन सुझाव तथा निर्देशनक आधारपर संविधानक मसौदा तैयार करबाक काज संवैधानिक समितिक प्रमुख जिम्मेवारी हएत ।

(समितिसभक सम्बन्धमे विस्तृत जानकारीक लेल, http://www.can.gov.np/docfolder/20CA%20RULES%20OF%PROCEDUREFINAL.pdf मे उपलब्ध संविधानसभाक कार्यविधि देखू ।)

४. संविधान निर्माणमे जनताक दृष्टिकोण कोना पहुँचाओल जा सकैत अछि ?

संविधान निर्माणक एक महत्त्वपूर्ण पक्ष जनसहभागिता अछि। सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया नागरिकक सक्रिय सहभागिता, सरकारमे नागरिकक संलग्नता, संविधानक लेल जनतामे अपनत्वक भावनाक विकास आ एहि काजकेँ बैधता प्रवर्द्धनक काजपर जोड़ दैत अछि। सफल भेलाक स्थितिमे एहन प्रक्रिया नागरिकमे संविधान अपन अछि से भावना अनबाक संगहि ओकरासभक बीच (नागरिकसभक बीच) हम एक छी ताहि भावनाक विकास क' राज्य आ जनताबीचक सम्बन्धकेँ सबल बनबैत अछि।

बाँकी तीन प्रक्रियागत समितिसभ संविधान निर्माणक प्रशासकीय पक्षसँ सम्बन्धित अछि। ई समितिसभ नागरिकक सुझावसभकेँ संविधान निर्माण प्रक्रियामे अनबाक काज करैत अछि। ओ समितिसभ एहि प्रकार अछि :

१. नागरिक सम्बन्ध समिति।
२. जनमत संकलन तथा समन्वय समिति।
३. क्षमता अभिवृद्धि तथा स्रोत व्यवस्थापन समिति।

नागरिक सम्बन्ध समितिक प्रमुख जिम्मेवारी संविधान निर्माण प्रक्रियामे नागरिकसभक सहभागिता कोना बृद्धि कएल जा सकैत अछि, से सोचब आ कार्यान्वयन करब अछि। ई समितिसभ नेपालीक बीच संविधानसभा आ संविधानक सम्बन्धमे सूचनाक प्रवाह करबाक अभियान संचालन करैत अछि। संविधान लेखनक प्रारम्भिक चरणमे नागरिकक दृष्टिकोण समावेश करबाक लेल नागरिक सम्बन्ध समिति प्रश्नावली विकसित केने अछि। संवैधानिक मुद्दासभक सम्बन्धमे सुझाव संकलन करबामे सभासदसभद्वारा उक्त प्रश्नावलीक प्रयोग भेल छल। सन् २००९ क मार्च महिनाक तीन सप्ताहसँ बेसी समयमे नेपालभरि एहन हजारौं प्रश्नावली जनताक बीच प्रयोग कएल गेल छल। प्रश्नावलीसभकेँ पाछाँ संविधानक मसौदा तैयार करबाक क्रममे समितिक सदस्यसभद्वारा उपयोग कएल गेल छल।

जनमत संकलन तथा समन्वय समितिक प्रमुख जिम्मेवारी संविधानक मसौदाकेँ संचारक विविध साधनद्वारा प्रचार-प्रसार करब अछि। ई समिति मसौदा संविधानक सम्बन्धमे सार्वजनिक सुनवाई , सेमिनार तथा कार्यशालासभक आयोजना सेहो करैत अछि। एकर अतिरिक्त, ई समिति नागरिकसभसँ संकलित सुझावकेँ संविधानसभामे प्रेषित करबाक काज करैत अछि।

क्षमता अभिवृद्धि तथा स्रोत व्यवस्थापन समिति संविधान निर्माण पक्रियााक सम्बन्धमे नागरिक आ सभासद्सभक बीच अन्तरक्रियात्मक कार्यक्रमसभक आयोजना करैत अछि। समितिक अन्य जिम्मेवारीसभमे संबैधानिक मुद्दासभक सम्बन्धमे अनुसन्धानात्मक अध्ययन करब, संबिधानसभा आ एहि अन्तर्गतक समितिसभकें स्रोत सामग्री उपलब्ध कराएव, आ स्रोत केन्द्र स्थापना क' ओकर व्यवस्थापन करब अछि।

९. संविधानकँ अन्तिम रूप कोना देल जाइत अछि ?

नगरिकसभसँ परामर्शक पश्चात् प्राप्त सुझावसभक आधारपर संवैधानिक समिति संविधानक मसौदापर पुनः विचार करत। संवैधानिक समितिद्वारा मासौदा संविधानकँ अन्तिम रूप देल जेबाक बाद अनुमोदनक लेल उक्त संबिधानकँ संबिधानसभामे प्रस्तुत कएल जाएत।

अन्तरिम संविधानक धारा ७० मे नव संविधान परित करबाक प्रक्रियाक सम्बन्धमे विस्तृत रूपसँ वर्णन कएल गेल अछि। उक्त धाराअनुसार संविधानसभाद्वारा नव संविधानक प्रस्तावनाक मसौदा आ प्रत्येक धारासभकँ पारित कएल जेबाक प्रावधान अछि। संबिधानसभाक सम्पूर्ण संख्याक कमसँकम दू तिहाई सदस्यसभ उपस्थित भ' सर्वसम्मतिसँ संविधानक प्रस्तावना आ धारासभक पक्षमे मतदान भेलाक स्थितिमे प्रस्तावना आ उक्त धारासभ पारित भेल बुझल जाएत।

सर्वसम्मति नहि भेलाक स्थितिमे मसौदापर सहमतिक लेल राजनीतिक दलक नेतासभक बीच परामर्श हएत। एहि प्रकारक परामर्शक बाद प्रस्तावना आ धारासभपर पुनः मतदान कएल जाएत। आ, संबिधानसभाक उपस्थित सदस्यसभक दूतिहाई मतसँ प्रस्तावना आ धारासभक समर्थनमे मतदान भेलाक स्थितिमे उक्त प्रस्तावना आ धारासभ पारित भेल मानल जाएत। मुदा, एहन नहि भेलाक स्थितिमे प्रस्तावना आ धारासभपर सहमति नहि भेल बातकँ बुझि, प्रस्तावना आ धारासभक पुनर्लेखन हएत।

अन्तरिम संविधानक धारा १५७ मे राष्ट्रिय जनमत संग्रहक प्रावधान सेहो अछि। महत्त्वपूर्ण मुद्दाक सम्बन्धमे जनमतसंग्रहक माध्यमसँ जनताद्वारा मतदान कराओल जा सकैए। संविधानसभाक बुझाईमे संबिधान पारित करबाक काज राष्ट्रिय महत्त्वक विषयक रूपमे निश्चित भेलापर जनमत संग्रह कएल जा सकैत अछि।

(संविधान पारित करबाक कार्यबिधिसभक सम्बन्धमे विस्तृत जानकारीक लेल http://www.supremecourt.gov.np/ic.pdf मे राखल अन्तरिम संविधान देखू।)

६. संविधानक मसौदा तैयार करबाक प्रक्रियामे जनसहभागिताकँ अभिवृद्धि करबा लेल कोन-कोन विधिसभ प्रयोग कएल जा सकैत अछि ?

सहभगितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रियाक सिर्जनाक लेल जनशिक्षा तथा परामर्श अभियान अत्यावश्यक अछि। ई प्रक्रियामे जनताक बुझाई आ सहभागिताक सँग सहयोग कर'बला विधिसभ निम्नलिखित अछि :

- विभिन्न भाषामे संविधानक मसौदासभ।
- जनसाधारणक बीच सर्वेक्षण आ प्रश्नावली।

- सार्वजनिक सुनवाई, भेटघाट, तथा गोलमेच विचारविमर्श ।
- टेलिभिजन आ रेडियो कार्यक्रम तथा विज्ञापन ।
- ग्रामीण क्षेत्रमे सड़क नाटक आ नृत्य कार्यक्रम ।
- वेब साईट ।

उपरोक्त प्रक्रियामे पारदर्शिताक प्रवर्द्धन आ जनताक सलाहकेँ आत्मसात करबाक लेल अन्तर्राष्ट्रिय आ राष्ट्रिय साझेदारसभक संगक सहकार्य एक गोट लाभदायक संयन्त्र भ' सकैत अछि ।

७. नागरिकसभक योगदानकेँ संविधानसभा कोना बुझैत ?

संविधान निर्माण प्रक्रियामे नागरिक सहभागिता अनिवार्य अछि । संविधान निर्माणमे सहभागिता जनतामे स्वामित्वपनक भाव प्रदान करैत अछि आ विभिन्न जातजाति, आदिवासी आ धार्मिक समूह राष्ट्र निर्माणमे मद्दति पहुँचबैत अछि ।

जनसाधारणकेँ ओकरासभक राय अथवा विचारसभपर ध्यान देबाक बातकेँ देखेबाक लेल संविधानसभा उपरोक्त राय अथवा विचारविमर्शक उपर कोन प्रकारक काज क' रहल अछि से बात जनताकेँ सूचित करेबाक चाही । संविधानसभा जनताक योगदानक कदर करबाक लेल विभिन्न कदमसभ अवलम्बन क' सकैत अछि :

- विभिन्न पत्र-पत्रिका तथा वेबसाईटद्वारा संविधानसभामे विचार भ' रहल सुझावसभक प्रकाशन करब ।
- सुझाव संकलनक प्रक्रिया, प्राप्त सुझाव संख्या आ ओहि सुझावसभक उपयोग कोना भेल अछि इत्यादिकेँ प्रस्तावनामे उल्लेख करब ।
- सर्वोत्कृष्ट सुझावसभ प्रस्तुत कर'बला नागरिकसभकेँ संविधानसभाक समितिसभमे ओकरासभक सुझावपर विचारविमर्शक लेल आमन्त्रणा करब ।
- संविधानसभामे प्राप्त सुझाव संख्यासम्बन्धी साप्ताहिक अद्यावधिक जानकारीक लेल संविधानसभाक वेबसाईटमे "सुझाव सूचक राखव" ।
- जिलाद्वारा प्राप्त सर्वोत्कृष्ट सुझावसभ आ संविधानसभा ओ सुझावसभकेँ कोना प्रयोग करैत अछि से योजना प्रत्येक ग्राम विकास समितिमे पठाएब ।
- सर्वोत्कृष्ट सुझावसभ आ ओकरासभक प्रयोगसम्बन्धी योजनाक सम्बन्धमे विचारविमर्शक लेल साप्ताहिक टेलिभिजन तथा रेडियो कामर्यक्रमक प्रसारण करब ।

८. नेपालमे संविधान निर्माणक इतिहास केहन अछि ?

नेपालमे संविधान निर्माण होब' लागल ई पाँचमबेर अछि । विगतमे संविधानविज्ञसभद्वारा संविधान लिखल गेल छल । ओहि समयमे संविधानसभाक प्रयोग नहि भेल छल आ संविधान सेहो

समावेशीरूपसँ नहि लिखल गेल छल। शायद, सएह कारण भ' सकैत अछि जे ओ संविधानसभ बहुत समयधरि कायम नहि रहि सकल।

नेपाल सरकार बैधानिक कानुन, २००४ (सन् १९४८) :

राणा प्रधानमन्त्री पद्‌मशम्शेरद्वारा वि.सं. २००३ (सन्१९४७) मे संवैधानिक सुधार समितिक गठन क' नेपालके प्रथम संविधान बनेबाक लेल भारतसँ विज्ञसभकेँ बजाआले गेल छल। नेपाल सरकार वैधानिक कानुन, २००४ (सन् १९४७) दू सदनात्मक संसदकेँ स्थापना केने छल। प्रधानमन्त्रीकेँ उल्लेख्य अधिकार प्रदान कएल गेल छल। ओ एकटा सदनकेँ सम्पूर्ण आ दोसर सदनकेँ बहुसंख्यक सदस्यसभक नियुक्तिक संगहि कोनो विधेयककेँ अस्वीकार क' सकैत छल। ई संविधान घोषणा होब'सँ पहिनहि पद्‌मशम्शेर मोहनशम्शेरद्वारा भगाओल गेल। तथापि, तत्कालीन राजनैतिक अस्थिरताक कारण वि.सं. २००७ (सन् १९५०) मे आबि मोहनशम्शेर वि.सं. २००४ क संविधानकेँ घोषणा करबालेल बाध्य भेल।

नेपाल अन्तरिम शासन विधान, २००७ (सन् १९५१) :

२००७ सालमे तत्कालीन राजा त्रिभुवनद्वारा भारतीय विज्ञसभक संग सहकार्य क' नेपाल अन्तरिम शाशन विधान आनल गेल छल। ई संविधान भारतीय संविधानपर आधारित छल। ई अन्तरिम संविधान देशक कार्यकारी, व्यवस्थापकीय तथा न्यायिक अधिकारसभ राजाक हाथमे देने छल। यद्यपि, ई संविधान राजकीय सत्ताक प्राप्तिक लेल संविधानसभाक निर्वाचनक आव्हान केने छल। मुदा, निर्वाचन कहिओ नहि भेल। एकरा बदलामे राजा त्रिभुवन आ हुनक उत्तराधिकारी राजा महेन्द्रद्वारा वि.सं. २०१९ (सन् १९५९) क शाही संविधान नहि बनबाधरि अनेक सरकारसभक गठन कएल गेल।

वि.सं. २०१५क संविधान (सन् १९५९) :

ई संविधान विभिन्न महत्त्वपूर्ण अधिकारसभ राजामे अन्तर्निहित केलक। तत्कालीन सरकार राजा महेन्द्रद्वारा प्रधानमन्त्रीकेँ बर्खास्त क' संकटकालीन कानुनकेँ जारी करबाक अवस्थासँ पहिनेधरि कायम छल। राजाक ई कदम पंचायती व्यवस्थाकेँ जन्म देलक आ पंचायती व्यवस्था व्यवस्थापकीय शक्ति राजामे निहित क' देलक। २०३६ साल (सन् १९७५) धरि राजनैतिक दलसभपर प्रतिबन्ध लगाओल गेल आ राजाद्वारा अर्ध-राजनैतिक तथा न्यायिक संरचनाक संग निर्दलीय राज्य व्यवस्थाक सिर्जना कएल गेल। एहन शासकीय संरचना २०४६ सालक जनआन्दोलनधरि कायम रहल।

नेपाल अधिराज्यक संविधान २०४७ (सन् १९९०) :

राजनैतिक दलसभपर लगाओलगेल प्रतिबन्ध देशव्यापी रूपमे विस्तारित विरोधक कारण २०४६ सालमे तत्कालीन राजा वीरेन्द्रद्वारा हटाओल गेल आ कार्यकारी तथा व्यवस्थापकीय अधिकारसहितक अन्तरिम सरकारकेँ गठन कएल गेल। राजनैतिक दलसभ तथा राजाक प्रतिनिधिसभ सम्मिलित संबैधानिक सुधार समिति संबिधानक मसौदा तैयार केलक। राजा वीरेन्दद्वारा २०४७ कातिक २३ गते (नोभेम्बर १९९०) ई संबिधानकेँ घोषणा कएल गेल। ई नेपालमे पहिलबेर बहुदलीय प्रजातन्त्रकेँ स्थापना केलक। २०५२ साल (सन् १९९६)मे माओवादीसभ समावेशी राज्य स्थापनाक लेल जनयुद्धक प्रारम्भ केलक।

नेपालक अन्तरिम संविधान, २०६३ (सन् २००७) :
संविधान निर्माणक सम्बन्धमे नेपालकसभसँ पछिलुका अनुभव २०६३ सालमे प्रारम्भ भेल छल । तत्कालीन राजाक शासनबिरूद्ध देशव्यापी बिरोध प्रदर्शनक कारण बिघटित प्रतिनिधिसभाक पुनर्स्थापना तथा अन्तरिम सरकारक गठन भेल । अन्तरिम सरकार नेकपा माओवादीक संग युद्ध-विराम सम्झौता तथा विस्तृत शान्ति सम्झौता केलक । तकराबाद विज्ञसभ सम्मिलित एक अन्तरिम संविधान मसौदा समितिकँ गठन कएल गेल आ ई नेपालक अन्तरिम संविधान, २०६३ क मसौदा तैयार केलक । अन्तरिम संविधान पारित भेलाक पश्चात् एहिमे ६ बेर संशोधन भ' चुकल अछि । अन्तरिम संविधान आ एहिमे भेल संशोधनद्वारा राजतन्त्रक उन्मूलन, संघीय राज्यक घोषणा तथा राष्ट्रपति (राष्ट्र प्रमुख)क व्यवस्था कएल गेल अछि ।

अन्तरिम संविधान, २०६३ नेपालमे संविधान निर्माण प्रक्रियामे मार्गदर्शन करबाक लेल संविधानसभाक गठन केने अछि । २०६४ चैत २८ गते संविधानसभाक निर्वाचनक पश्चात् नेपालमे पहिलबेर संबिधानसभाद्वारा संविधान निर्माणक काजक लेल २०६५ जेष्ठ महीनामे संविधानसभाक पहिल (प्रथम्) बैठक बैसल ।

९. संविधान निर्माण प्रक्रियासँ सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण नीतिसभ कि-कि अछि ?

२०६६ भादो धरि नेपालक जनताद्वारा जानल जाएबला संविधान निर्माणसँ सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण नीतिसभ एहि प्रकार अछि :

२०६५ फागुन १५ गते - २०६६ जेष्ठ ८ गते	विषय समितिसभ अपन अवधारणापत्र क आधारपर संविधानक प्रारम्भिक मसौदा तैयार करत ।
२०६६ जेठ ९ गते - २०६६ कातिक २९ गते	संविधानसभामे प्रारम्भिक मसौदापर विचारविमर्श ।
२०६६ अगहन १ गते -अगहन ३० गते	संवैधानिक समितिद्वारा संविधानक पहिल मसौदाक तैयारी ।
२०६६ पूस १ गते - ७ गते	संविधानक पहिल मसौदापर संविधानसभामे विचारविमर्श ।
२०६६ पूस ८ गते - १५ गते	नेपाल राजपत्रमे पहिल मसौदाक प्रकाशन ।
२०६६ पूस २३ गते - माघ १५ गते	दोसर चरणक जनपरामर्श प्रारम्भ ।
२०६६ माघ १६ गते - फागुन २२ गते	जनताक सुझाव संकलन तथा ओहिपर विचारविमर्श ।
२०६६ फागुन २३ गते - चैत ३ गते	सुझावक आधारपर पहिल मसौदाक संशोधन ।
२०६६ चैत ४ गते - २०६७ जेठ ७ गते	संविधानसभाक सदस्यसभद्वारा संशोधनसहितक पहिल मसौदा पर विचारविमर्श ।
२०६७ जेठ ८ गते - १४ गते	संविधानक अन्तिम मसौदाक तैयारी तथा अनुमोदन ।

(संविधानसभाक कार्यतालिकाक अद्यावधिक जानकारीक लेल कृपया, एत' देलगेल वेबसाइटमे देखू ।
http://www.ccd.org.np/pdf/NEWCATimelineen.PDF)

पुस्तिका शृंखला सम्बन्धमे

संविधानसभाक सदस्यसभकें आ इच्छुक सर्वसाधारणकें संविधान निर्माण प्रक्रियाक सम्बन्धमे आधारभूत जानकारी उपलब्ध कराएब एहि पुस्तिका शृंखलाक उद्देश्य अछि । ई प्रकाशनसभ संवैधानिक परिणाम सम्बन्धमे कोनो तरहक पूर्वानुमान कर'बला अवधारणापत्र अथवा प्रस्ताव अथवा मनसाय नहि अछि । ई शृंखला संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रमक (यूएनडीपी) "नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माणक लेल सहयोग" (एसपीसीबीएन) परियोजनाक समन्वयमे नेपाली आ अन्तर्राष्ट्रिय संविधानविद्सभक सामूहिक प्रयासक प्रतिफल अछि ।

ई पुस्तिकासभकें आओर परिस्कृत बनेबा हेतु प्रतिक्रिया आ टिप्पणीक लेल विशेष अनुरोध अछि । बेसीसँबेसी सुसूचित, प्रतिबद्ध आ रचनात्मक विचारविमर्शकें प्रोत्साहित करबामे ई प्रकाशनसभ सफल भेलेपर अपेक्षित उद्देश्यक प्राप्ति भ'सकैए । प्राप्त टिप्पणीसभक आधारपर ई पुस्तिकासभक नव संस्करणक संगहि अतिरिक्त संस्करणसभ तैयार कएल जा सकैत अछि ।

ई शृंखलाकें नेपालक किछु प्रमुख भाषामे अनुबाद करबाक क्रममे उँच गुणस्तरक संगहि एहिकें सम्बन्धित भाषाक बेसीसँबेसी लोक बुझि सकए ताहिलेल ठीक शब्दावलीक प्रयोगक हरसम्भव प्रयास कएल गेल अछि । शब्दावलीक उपयुक्त आ ठीक प्रयोगक सम्बन्धमे बिभिन्न भाषिक समुदायसभक बीच भविष्यमे विचारविमर्श आ बहस होबाक अपेक्षा कएल जा सकैत अछि । संवैधानिक संवाद केन्द्रक उद्देश्य ओहन बहससभकें कोनो प्रकारें ओझलमे (छाहरिमे) नहि राखि ओहि भाषासभकें सेहो समावेश क' एहि प्रयासमे समाबेशिता आ पहुँचकें अधिकतम अभिवृद्धि करब अछि ।

देशमे संविधान निर्माणसँ सम्बन्धित बिषयबस्तुक सम्बन्धमे संवैधानिक संवाद केन्द्रद्वारा तैयार भ'रहल शृंखलाबद्ध पाठ्यसामाग्रीसभक एकटा अंश (भाग) ई पुस्तिका अछि ।

सभासदसभक संगाहि ई विषयबस्तुमे अभिरुचि रखनिहार सर्वसाधारणसमकेँ प्रमुख संवैधानिक अवधारणा आ मुद्दासभमे (समस्यासभमे) संलग्न कराएब एहि शृंखलाबद्ध प्रकाशनक उद्देश्य अछि। शृंखलाअन्तर्गतक प्रत्येक पुस्तिका नेपालमे प्रयुक्त (बाजल जाएबला) प्रमुख भाषासभ (नेपाली, मैथिली, भोजपुरी, थारु, मगर, तामांग, नेवार आ अंग्रेजी) मे उपलब्ध अछि। ई पाठ्यसामाग्रीसभक श्रव्य (सुनएबला) संस्करणक (कैसेट, सिडी) उपलब्धिक संगाहि एहिसभकेँ अनलाइनमे सेहो राखल गेल अछि ।

पहिल चरणमे ई प्रकाशन शृंखलामे समेटलगेल विषयबस्तुसभ एहि प्रकारेँ अछिः राज्य आ धर्म, संघीय प्रणाली, संविधानमे मानव अधिकार, आदिवासी जनजातिक अधिकार, अल्पसंख्यकक अधिकार, सरकारक प्रणालीसभ, स्वतन्त्र न्यायपालिका, स्थानीय स्वशासन, विविधता आ सामाजिक समावेशीकरण आ सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया ।

संवैधानिक संवाद केन्द्र
तेसर आ चारिन तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, बुद्धनगर, काठमाण्डू
टेलिफोन नं. ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८
ई-मेल : info@ccd.org.np
वेबसाइट : www.ccd.org.np